UNIVERSITY NEWS 24 AUGUST 2026

HINDUSTAN TIMES

{ QUALITY EDUCATION, BETTER LIFESTYLE }

Why Bangladeshi students choose to come to LU

Godhooli Sharma
godhooli.sharma@htlive.com

Ankita Dey Bishti (left) and Rimon Vai SOURCED

LUCKNOW : Lucknow University has seen a record number of applications from international students this year of which a significant number came from Bangladesh. About 41.65% students, 1,425 applications of the total 3,421 applications received at Lucknow University this year, came from Bangladeshi students.

Hindustan Times talked to these students, who, after clearing various stages of screening, enrolled in various courses. They unanimously said that the quality of education and standards of living led them to get an admission in India.

Ankita Dey Bishti, 28, a PhD student who enrolled in Journalism and Mass Communication department this year said that she is not new to the country but it was her past experience at Banaras Hindu University during her postgraduation, which built a trust in the Indian education system.

"I felt that when we come to India, we are cordially treated and we are provided with quality education and a good lifestyle. We are provided with proper guidance and directions as and when needed which made me choose India over any other country to complete my PhD. Getting the ICCR scholarship twice is rare and I feel fortunate enough to receive it. I got to know about Lucknow University's department of journalism from my teachers and friends at BHU. It feels really great to represent my country and become the first research scholar from Bangladesh to pursue PhD in this department," said Bishti.

Rimon Vai, 24, who enrolled in MA Economics said that he pursued graduation at Kurukshetra University. "I felt the need to explore and learn more about Indian culture which made me come here again. I am fortunate to get selected at Lucknow University. It is like a learning curve which would for sure help me in overall development from studies to cooking, going out and meeting new people which would not have been possible if I would have lived at home. It is empowering me and will for sure make me future-ready," said Vai.

Dherain Vijayan, 22, a student from Sri Lanka who enrolled for an MBA, said that he feels that the education system is far better here than his native place.

"I like to live and study here and I chose India over other countries because as of the current scenario it is one of the most rapidly developing countries. Besides, we get a good amount of scholarship and facilities here," said Vijayan.

HINDUSTAN TIMES

LU adds non-research honours route to four-year degree

HT Correspondent
letters@htlive,com

LUCKNOW: Lucknow University has introduced an additional 'UG Honours' pathway in the fourth year of its four-year undergraduate programme, alongside the existing 'UG Honours with Research' option, in line with NEP 2020 and the UGC's Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes.

Students completing six semesters will be able to choose either pathway. The UG Honours route is for those seeking advanced study. Its 12-credit research component will be met through advanced coursework, allowing students with a CGPA below 7.5 to complete the fourth year and earn a 160-credit degree.

Students with a CGPA of 7.5 or above (75%) can opt for UG Honours with Research, completing a 12-credit research project or dissertation under faculty guidance.

> VICE-CHANCELLOR PROF J.P. SAINI SAID THE REFORM WOULD MAKE HIGHER EDU MORE FLEXIBLE

Vice-Chancellor Prof J.P. Saini said the reform would make higher education more flexible, inclusive and student-centric, while giving students equal opportunities to pursue advanced study or research.

A seven-member committee led by Prof Manuka Khanna will finalise the regulations, eligibility criteria, curriculum and implementation guidelines. Both pathways lead to the same 160-credit four-year degree.

HINDUSTAN

ब्रिक्स देश करेंगे आर्थिक व तकनीकी विकास पर मंथन

ब्रिक्स अकादमिक फोरम के आयोजन की जानकारी देते ओआरएफ के वाइस प्रेसीडेंट हर्ष वी . पंत, अध्यक्ष समीर सरन के साथ एलयू राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रो .अमित।

लखनऊ। 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम का आयोजन सोमवार व मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में होगा। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) की ओर से विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) तथा लखनऊ विवि के सहयोग से होने वाला यह आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत हो रहा है। इस संबंध में रविवार को होटल ताज में हुई प्रेसवार्ता में ओआरएफ के अध्यक्ष समीर सरन ने ब्रिक्स अकादमिक फोरम के विषय में जानाकरी दी।

समीर सरन ने बताया कि बताया कि फोरम में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ ब्रिक्स समूह में शामिल नए सदस्य देशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे। आयोजन में आर्थिक विकास, तकनीकी बदलाव, जलवायु और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे मुद्दे चर्चा के केंद्र में रहेंगे। नवीकरणीय ऊर्जा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विज्ञान, उभरती तकनीक, व्यापार जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि फोरम में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्वी क्षेत्र) और ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला विशेष रूप से अपनी विचार रखेंगे।

सिफारिशें विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों को सौंपेंगे

कार्यक्रम में नवाचार, सहयोग और सततता के लिए ब्रिक्स विषयक घोषणा का विमोचन भी किया जाएगा। साथ ही ब्रिक्स थिंक टैंक परिषद की सिफारिशें विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से सौंपी जाएंगी। प्रेसवार्ता के दौरान ओआरएफ के वाइस प्रेसीडेंट हर्ष वी . पंत भी मौजूद रहे।

AMAR UJALA

बायोमेडिका में एकीकृत अनुसंधान पर जोर

लखनऊ। बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान पर क्लिनिकल वैज्ञानिकों के दो दिवसीय सातवें राष्ट्रीय सम्मेलन बायोमेडिका-2026 का रविवार को जानकीपुरम स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में स्थित फार्मास्युटिकल साइंसेज संस्थान में समापन हो गया। नेशनल एमएससी मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एनएमएमटीए) की ओर से आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य विषय था-बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में एकीकृत अनुसंधान के माध्यम से क्लिनिकल उत्कृष्टता को बढ़ावा देना। दूसरे दिन लविवि के कुलपति जय प्रकाश सैनी की मौजूदगी में फार्मास्युटिकल साइंसेज संस्थान के निदेशक पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने शैक्षणिक ढांचे पर जोर दिया। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का प्रथम पुरस्कार रुचिका यादव को, द्वितीय पुरस्कार अक्कनागामम्मा को और तृतीय पुरस्कार अंशी सिंह को मिला। सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का प्रथम पुरस्कार मयूरी बिसेन को, द्वितीय पुरस्कार संजना जैन को और तृतीय पुरस्कार भूमिका उपाध्याय को प्रदान किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

ब्रिक्स देशों के विशेषज्ञ करेंगे वैश्विक चुनौतियों पर मंथन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ विवि में 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम का आयोजन आज से

लखनऊ। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) की ओर से 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम का आयोजन सोमवार और मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में किया जाएगा। विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) तथा लविवि के सहयोग से होने वाला यह आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत हो रहा है।

इस संबंध में रविवार को गोमतीनगर के एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में ओआरएफ के अध्यक्ष समीर सरन ने बताया कि फोरम में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ ब्रिक्स समूह में शामिल नए सदस्य देशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।

फोरम में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्वी क्षेत्र) और ब्रिक्स शेरपा सुधाकर दलेला विशेष रूप से संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए ब्रिक्स' विषयक घोषणा का विमोचन भी किया जाएगा। इस दौरान ओआरएफ के वाइस प्रेसीडेंट हर्ष वी. पंत भी मौजूद रहे।

AMAR UJALA

लविवि : चार वर्षीय स्नातक कोर्स के चौथे वर्ष में होंगे दो विकल्प

यूजी ऑनर्स और यूजी ऑनर्स विद रिसर्च का मिलेगा विकल्प

माई सिटी रिपोर्टर

7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र भी चौथा वर्ष कर सकेंगे पूरा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुधार किया है। अब चौथे वर्ष में छात्रों को यूजी ऑनर्स और यूजी ऑनर्स विद रिसर्च दोनों विकल्प मिलेंगे। यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप है।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक लचीलापन और उन्नत अध्ययन प्रदान करना है। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के पहले तीन वर्ष पूरे करने वाले छात्र चौथे वर्ष में अपनी रुचि के अनुसार विकल्प चुन सकेंगे। यूजी ऑनर्स उन छात्रों के लिए है जो शोध प्रबंध नहीं करना चाहते। इस विकल्प में 12 क्रेडिट का शोध घटक उन्नत पाठ्यक्रमों से पूरा होगा। इससे 7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र भी चौथा वर्ष पूरा कर सकेंगे। उन्हें कुल 160 क्रेडिट की चार वर्षीय स्नातक डिग्री मिलेगी। ऐसे में यूजी ऑनर्स विद रिसर्च का विकल्प जारी रहेगा।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि यह विकल्प छात्रों को उन्नत विषय ज्ञान या मौलिक अनुसंधान में विशेषज्ञता का अवसर देंगे। विश्वविद्यालय ने इस नई व्यवस्था के दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में एक सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति बनाई है।

एनसीसी के लिए 135 नए कैडेटों का नामांकन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी के लिए नए कैडेटों के नामांकन के अभियान में कुल 135 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनमें 63 छात्राएं और 72 छात्र रहे। नामांकन प्रक्रिया का उद्देश्य शारीरिक रूप से सक्षम, अनुशासित और प्रेरित विद्यार्थियों का चयन करना था। इन्हें एनसीसी में शामिल किया जाना है। पहले चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षा में 1.6 किलोमीटर दौड़, सिट-अप्स और पुश-अप्स शामिल थे। शारीरिक दक्षता परीक्षा के बाद पात्र अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा दी। सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य, जूनियर वारंट ऑफिसर रहमान आदि उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

अभिलेख सत्यापन आज से

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग मे संचालित एमबीए फाइनेंस एंड एकाउटिंग पाठ्यक्रम मे प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियो के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया 24 अगस्त से शुरू होगी। कोर्स के निदेशक प्रोफेसर राम मिलन ने बताया कि आवेदन फार्म, फीस रसीद सहित अपने शैक्षणिक अभिलेखो के साथ दोपहर 12 बजे केके सक्सेना, न्यू कामर्स ब्लाक मे पहुंचना होगा।

NBT

इंडस्ट्री लिंक्ड होंगे प्रफेशनल कोर्स

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अब अपने सभी कोर्सों को इंडस्ट्री लिंक्ड बनाने जा रहा है। इसके तहत हर कोर्स जिस इंडस्ट्री के साथ लिंक्ड है उसके साथ विवि की ओर से अनुबंध किया जा रहा है। इसके चलते अब छात्रों को इंटर्नशिप से लेकर प्लेसमेंट तक की सुविधा संबंधित इंडस्ट्री की ओर से मिल सकेगी। वहीं पढ़ाई के दौरान भी प्रैक्टिकल नॉलेज और इंडस्ट्री एक्सपर्ट की गाइडेंस भी छात्रों को मिल सकेगी। अभी प्रफेशनल कोर्सों से इसकी शुरुआत की गई है जबकि अन्य कोर्सों को भी एलयू इंडस्ट्री लिंक बना रहा है।

NBT

फोर इयर ग्रैजुएशन में यूजी ऑनर्स का विकल्प

AMRIT VICHAR

NBT

ब्रिक्स देशों के विशेषज्ञ आज से करेंगे वैश्विक चुनौतियों पर मंथन

■NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार से 18वां ब्रिक्स अकादमिक फोरम का आयोजन होगा। इसमें आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य और जलवायु प्रणालियों को अधिक मजबूत और संकटों से निपटने में सक्षम बनाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा होगी।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन व लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से होने वाला यह फोरम भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत आयोजित किया जा रहा है। रविवार को इसको लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा कि उत्तर प्रदेश हजारों वर्षों से ज्ञान, दर्शन और बौद्धिक संवाद का केंद्र रहा है। कार्यक्रम के दौरान 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए ब्रिक्स' संकलन का विमोचन किया जाएगा।

I NEXT

यूजी लास्ट ईयर में ऑनर्स विद रिसर्च का विकल्प

लखनऊ विश्वविद्यालय ने किया निर्णय, चार वर्षीय पाठ्यक्रम पर लागू होगा नियम

LUCKNOW (23 Aug): लखनऊ विश्वविद्यालय में अब चार वर्षीय यूजी कोर्स के लास्ट ईयर में स्टूडेंट्स को 'यूजी आनर्स' के साथ 'यूजी आनर्स विद रिसर्च' का विकल्प भी मिलेगा. चार वर्षीय यूजी कोर्स के पहले तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) पूरे करने वाले स्टूडेंट्स चौथे वर्ष में अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार दो विकल्पों में से किसी एक का चयन कर सकेंगे.

12 क्रेडिट का रिसर्च

यूजी आनर्स विकल्प उन स्टूडेंट्स को अवसर देगा, जो शोध प्रबंध नहीं करना चाहते, बल्कि अपने प्रमुख विषय में गहन व उन्नत अध्ययन करना चाहते हैं. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार निर्धारित 12 क्रेडिट का शोध घटक इस विकल्प में शोध प्रबंध के स्थान पर उन्नत कोर्सों से पूरा किया जाएगा. इसके माध्यम से 7.5 से कम सीजीपीए वाले स्टूडेंट्स भी चौथा वर्ष पूरा कर सकेंगे और 160 क्रेडिट की चार वर्षीय ग्रेजुएशन डिग्री प्राप्त कर सकेंगे.

इसका रखें ध्यान

यूजी आनर्स विद रिसर्च विकल्प यथावत जारी रहेगा और स्टूडेंट्स को संरचित स्नातक शोध का अवसर देगा. पहले छह सेमेस्टर में 7.5 या उससे अधिक सीजीपीए (75% अंक) प्राप्त करने वाले पात्र स्टूडेंट्स संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट या प्रबंध पूरा करेंगे.

बायोमेडिका में युवा वैज्ञानिकों को मिले पुरस्कार

लखनऊ। बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान पर क्लिनिकल वैज्ञानिकों के 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन बायोमेडिका का एलयू के नए परिसर स्थित फार्मास्युटिकल साइंसेज संस्थान में समापन हुआ। आयोजन नेशनल एमएससी मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने एलयू के सहयोग से किया। प्रो. डी.एम. वासुदेवन ने मॉलिक्यूलर डायग्नोसिस, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने लक्षित दवा वितरण पर भाषण दिया। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति में रुचिका को प्रथम, अक्कनागामम्मा को द्वितीय, अंशी सिंह को तृतीय पुरस्कार मिला।

यूजी चौथे वर्ष में चुन सकेंगे ऑनर्स या रिसर्च की राह

लखनऊ। एलयू ने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष को लेकर बड़ा शैक्षणिक निर्णय लिया है। अब विद्यार्थियो को चौथे वर्ष मे यूजी ऑनर्स और यूजी ऑनर्स विद रिसर्च मे से किसी एक विकल्प को चुनने का अवसर मिलेगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और यूजीसी के स्नातक पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट ढांचे के अनुरूप लागू की जाएगी। पहले तीन वर्ष यानी छह सेमेस्टर पूरा करने के बाद विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार मार्ग चुन सकेंगे।

DAINIK JAGRAN

लवि देगा आनर्स विद रिसर्च का भी विकल्प

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को 'यूजी आनर्स' के साथ 'यूजी आनर्स विद रिसर्च' का विकल्प भी मिलेगा। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के पहले तीन वर्ष पूरे करने वाले छात्र-छात्राएं चौथे वर्ष में अपनी रुचि व क्षमता के अनुसार दो विकल्पों में से किसी एक का चयन कर सकेंगे।

यूजी आनर्स विकल्प उन विद्यार्थियों को अवसर देगा, जो शोध प्रबंध नहीं करना चाहते, बल्कि अपने प्रमुख विषय में गहन व उन्नत अध्ययन करना चाहते हैं। यूपजीजी के निर्देशों के अनुसार निर्धारित 12 क्रेडिट का शोध घटक इस विकल्प में शोध प्रबंध के स्थान पर उन्नत पाठ्यक्रमों से पूरा किया जाएगा। इसके माध्यम से 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थी भी चौथा वर्ष पूरा कर सकेंगे और 160 क्रेडिट की चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्राप्त कर सकेंगे। यूजी आनर्स विद रिसर्च विकल्प यथावत जारी रहेगा। पहले छह सेमेस्टर में 7.5 या उससे अधिक सीजीपीए (75% अंक) पाने वाले पात्र छात्र-छात्राएं संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट या प्रबंध पूरा करेंगे।

7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र-छात्राएं भी पूरा कर सकेंगे स्नातक का चौथा वर्ष

विद्यार्थियों को उनकी पसंद के अनुसार अवसर: कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि लवि नई व्यवस्था के विस्तृत शैक्षणिक नियम, पात्रता मानदंड, उन्नत पाठ्यक्रम और कार्यान्वयन दिशा-निर्देश शीघ्र जारी करेगा। इसके लिए प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की गई है। लवि ने स्पष्ट किया है कि दोनों ही विकल्प चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के पूरक विकल्प हैं, जो कुल 160 क्रेडिट के चार वर्षीय यूजी डिग्री प्रदान करेंगे।

AMRIT VICHAR

लविवि छात्र यूजी चौथे वर्ष में चुन सकेंगे ऑनर्स या रिसर्च

नई शिक्षा नीति के तहत दिया गया विकल्प, यूजी ऑनर्स में शोध प्रबंध के बजाय 12 क्रेडिट के पाठ्यक्रम होंगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• 7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र चौथा वर्ष पूरा कर 160 क्रेडिट की चार वर्षीय स्नातक डिग्री हासिल कर सकेंगे

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम में चौथे साल में छात्रों को दो विकल्प कराने घोषणा की है। इसके लिए एक सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में गठित की गई है, जो शीघ्र ही संपूर्ण संरचना और दिशा निर्देशों को अंतिम रूप देगी। विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक के चौथे वर्ष में 'यूजी ऑनर्स' व 'यूजी ऑनर्स विद रिसर्च' दोनों विकल्प छात्रों को मिलेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट ढांचे की मूल भावना के अनुरूप सुधार किया गया है।

विद्यार्थियों को व्यापक शैक्षणिक लचीलापन प्रदान करने के लिए प्रस्तावित ढांचे में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के पहले तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) पूरे करने वाले छात्र चौथे वर्ष में अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार दो में से किसी एक विकल्प को चुन सकते हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि दोनों ही मार्ग एक ही चार वर्षीय स्नातक ढांचे के पूरक विकल्प हैं, जो कुल 160 क्रेडिट की चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रदान करेंगे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय रिसर्च मार्ग के लिए सभी आवश्यक शैक्षणिक और शोध अवसंरचना की उपलब्धता भी निरंतर सुनिश्चित कर रहा है।

यूजी ऑनर्स विद रिसर्च

■ छात्रों को संरचित स्नातक शोध का अवसर देगा। पहले छह सेमेस्टर में 7.5 या उससे अधिक 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले पात्र छात्र संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट या प्रबंध पूरा करेंगे।

> चौथे वर्ष में 'यूजी ऑनर्स' और 'यूजी ऑनर्स विद रिसर्च' दोनों विकल्पों का समावेशन विद्यार्थियों को उनकी पसंद के अनुसार उन्नत विषय ज्ञान अथवा मौलिक अनुसंधान में विशेषज्ञता प्राप्त करने का समान अवसर देगा।
>
> -प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

यूजी ऑनर्स

■ जो छात्र शोध प्रबंध नहीं करना चाहते, बल्कि अपने प्रमुख विषय में गहन व उन्नत अध्ययन करना चाहते हैं। 12 क्रेडिट का शोध घटक, इस मार्ग में शोध प्रबंध के स्थान पर उन्नत पाठ्यक्रमों से पूरा किया जाएगा। इसके माध्यम से 7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र भी चौथा वर्ष पूरा कर सकेंगे और 160 क्रेडिट की 4 वर्षीय स्नातक डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

AMRIT VICHAR

बायोमेडिका में युवा वैज्ञानिकों को पुरस्कार से नवाजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• दो दिन बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में एकीकृत अनुसंधान पर किया गया मंथन

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित बायोमेडिका में उपस्थित प्रतिनिधि व छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान पर क्लिनिकल वैज्ञानिकों के 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन बायोमेडिका 2026 का समापन हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन नेशनल एमएससी मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से किया। सम्मेलन का विषय 'बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में एकीकृत अनुसंधान के माध्यम से क्लिनिकल उत्कृष्टता को बढ़ावा देना' रहा। दूसरे दिन मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स, लक्षित दवा वितरण, मेटाबॉलोमिक्स और फिजियोलॉजी पर वैज्ञानिक सत्र हुए।

दूसरे दिन प्रो. डीएम वासुदेवन ने प्रयोगशाला से लेकर क्लिनिकल अनुप्रयोगों तक मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक तकनीकों के विकास को रेखांकित किया और स्वास्थ्य सेवा में उनके बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। फार्मास्युटिकल साइंसेज संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने "टार्गेटेड ड्रग डिलीवरी के लिए डेंड्रिमर आधारित इंजीनियर्ड नैनोकण" पर अपना कीनोट एड्रेस दिया। उनकी प्रस्तुति ने टार्गेटेड और प्रभावी दवा वितरण में डेंड्रिमर आधारित इंजीनियर्ड नैनोकणों की क्षमता को उजागर किया। प्रो. शिव पूजन ने चयापचय परिवर्तनों को समझने और क्रिटिकल केयर अनुसंधान में उनके अनुप्रयोगों में मेटाबॉलोमिक दृष्टिकोण और एनएमआर आधारित तकनीकों के महत्व पर चर्चा की।

इन्हें मिला पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति में रुचिका यादव को प्रथम, अक्कनागामम्मा को द्वितीय और अंशी सिंह को तृतीय पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति में मयूरी बिसेन प्रथम, संजना जैन द्वितीय और डॉ. भूमिका उपाध्याय तृतीय रहीं।

I NEXT

डाक्यूमेंट्स का सत्यापन आज से

एलयू के वाणिज्य विभाग मे संचालित एमबीए फाइनेंस एंड एकाउंटिंग कोर्स मे प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियो के अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया 24 अगस्त से शुरू होगी . कोर्स के निदेशक प्रोफेसर राम मिलन ने बताया कि आवेदन फार्म, फीस रसीद सहित अपने शैक्षणिक अभिलेखो के साथ दोपहर 12 बजे केके सक्सेना, न्यू कामर्स ब्लाक मे पहुंचना होगा .

UNIVERSITY NEWS 24 AUGUST 2026

TIMES OF INDIA

LU allows under grad honours for students below 7.5 CGPA

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has relaxed the eligibility criteria for its fourth-year undergraduate programme, allowing students with a CGPA below 7.5 to pursue UG Honours in the university.

Earlier, only students securing a CGPA of 7.5 or above after six semesters were eligible to continue into the fourth year. The university has now introduced a separate UG Honours category, enabling students below the 7.5 CGPA threshold to complete the fourth year and obtain a four-year undergraduate degree.

In accordance with NEP 2020 and the University Grants Commission's Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes, students completing three years of study will now have two options in the fourth year: UG Honours and UG Honours with Research. Under the UG Honours pathway, students will not be required to undertake a dissertation. Instead, the mandatory 12-credit research component will be replaced by advanced coursework in the student's major subject.

SWATANTRA BHARAT

पाषाण उपकरणों से धातु युग तक मानव विकास और धरोहर संरक्षण के कानूनों पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

स्वतंत्र भारत लखनऊ । उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा आयोजित पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के तृतीय दिवस पर मानव सभ्यता के विकास और पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर दो व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में करीब 100 प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष तथा 50 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की।प्रथम सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार ने 'पाषाण उपकरणों से धातु तक : प्रागैतिहासिक संस्कृतियों का विकास' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने मानव सभ्यता के प्रारंभिक विकास और प्रागैतिहासिक संस्कृतियों की क्रमिक यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. अनिल कुमार ने पुरापाषाण, मध्यपाषाण, नवपाषाण और ताम्रपाषाण काल से लेकर धातु युग तक मानव जीवन में आए तकनीकी, आर्थिक और सामाजिक बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाषाण उपकरणों से शुरू हुई मानव की तकनीकी यात्रा ने आखेटक एवं खाद्य-संग्राहक जीवन से कृषि, पशुपालन, स्थायी निवास, मृद्भांड निर्माण और धातुओं के प्रयोग तक मानव समाज को पहुंचाया।उन्होंने कहा कि कांस्य और लौह के प्रयोग से उत्पादन, कृषि, शिल्प और सामाजिक संगठन को नई गति मिली। पाषाण से धातु तक का विकासक्रम मानव की बुद्धि, कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक विकास का महत्वपूर्ण प्रमाण है।द्वितीय सत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व अधीक्षण पुरातत्वविद इंदु प्रकाश ने 'प्राचीन धरोहर कानून : स्मारकों एवं स्थलों के लिए कानूनी प्रावधान' विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए विशेष रूप से संविधान के अनुच्छेद 49 और अनुच्छेद 51(एफ) का उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी दायित्व है। उन्होंने प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904, प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 तथा पुरावशेष एवं कला निधि अधिनियम, 1972 सहित प्रमुख कानूनों की जानकारी दी।इंदु प्रकाश ने संरक्षित स्मारकों एवं पुरातात्विक स्थलों की सुरक्षा, उत्खनन के नियमन, पुरावशेषों के संरक्षण तथा उनकी चोरी और तस्करी की रोकथाम से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों के निषिद्ध और विनियमित क्षेत्रों में अनधिकृत निर्माण तथा पुरावशेषों एवं कला निधियों के अवैध निर्यात सहित कानूनों का उल्लंघन दंडनीय अपराध है।उन्होंने कहा कि धरोहरों के संरक्षण के लिए कानूनों का प्रभावी और सख्त अनुपालन तथा जनसहभागिता आवश्यक है। सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी भी है।दोनों विशेषज्ञ वक्ताओं का निदेशालय की निदेशक रेनू द्विवेदी ने पौधा और स्मृति-चिह्न प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज कुमार यादव ने किया।इस अवसर पर विभाग के बलिहारी सेठ, अभयराज सिंह, अनिल सिंह, संतोष कुमार सिंह, आशीष, अकील, अभिषेक, अनिल, दरियाब, लवकुश सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और प्रतिभागी मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT

लखनऊ विश्वविद्यालय: यूजी ऑनर्स व रिसर्च के दो विकल्प

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और यूजीसी के पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट ढांचे के अनुरूप चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में विद्यार्थियों को दो शैक्षणिक विकल्प देने का निर्णय लिया है। छात्र अब यूजी ऑनर्स अथवा यूजी ऑनर्स विद रिसर्च में से किसी एक का चयन कर सकेंगे। यूजी ऑनर्स के तहत विद्यार्थी शोध प्रबंध के स्थान पर उन्नत पाठ्यक्रमों के माध्यम से निर्धारित 12 क्रेडिट पूरे करेंगे। इस मार्ग से 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थी भी चौथा वर्ष पूरा कर 160 क्रेडिट की चार वर्षीय डिग्री हासिल कर सकेंगे। वहीं 7.5 या उससे अधिक सीजीपीए वाले पात्र विद्यार्थी यूजी ऑनर्स विद रिसर्च के तहत 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट पूरा करेंगे। कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि यह व्यवस्था विद्यार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप उन्नत अध्ययन या शोध का अवसर देगी। व्यवस्था के विस्तृत नियमों के लिए प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में सात सदस्यीय समिति गठित की गई है।

SWATANTRA BHARAT

एलयू: 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी के लिए खुला नामांकन अभियान

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी के नए कैडेटों के चयन एवं नामांकन के लिए अभियान आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 135 विद्यार्थियों, जिनमें 63 छात्राएं और 72 छात्र शामिल रहे, ने नामांकन प्रक्रिया में सहभागिता की। चयन के प्रथम चरण में अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा हुई, जिसमें 1.6 किलोमीटर दौड़, सिट-अप्स और पुश-अप्स कराए गए। इसके बाद पात्र अभ्यर्थियों की सामान्य योग्यता एवं एनसीसी प्रशिक्षण के प्रति उपयुक्तता का आकलन करने के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई। विभिन्न चरणों में सफल अभ्यर्थियों को आगामी साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। अभियान में फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य, जूनियर वारंट ऑफिसर रहमान सहित 5 यूपी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी के पीआई स्टाफ मौजूद रहे। अधिकारियों ने प्रक्रिया के सफल संचालन में योगदान दिया।

VOICE OF LUCKNOW

यूजी ऑनर्स विद रिसर्च के साथ एक अतिरिक्त यूजी ऑनर्स का मिलेगा विकल्प

विशेष संवाददाता (vol)

- विस्तृत रूपरेखा तैयार करनेके लिए सात सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और क्रेडिट मानदंड की मूल भावना के अनुरूप अपने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम में एक अत्यंत महत्वपूर्ण अकादमी सुधार किया है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों को 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में छात्रों को 'यूजी ऑनर्स विद रिसर्च' के साथ-साथ एक अतिरिक्त 'यूजी ऑनर्स' मार्ग का विकल्प प्रदान करने जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को व्यापक अकादमी प्रदान करना तथा उन्नत विषयगत अध्ययन को खोलना है।

प्रस्तावित परिवेश के अंतर्गत, चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के पहले तीन वर्ष पूरे करने वाले छात्र चौथे वर्ष में अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार दो चरणों में से किसी एक का चयन कर सकते हैं।यूजी ऑनर्स के इस मार्ग में उन छात्रों को अवसर देगा जो शोध प्रबंध (शोध प्रबंध/थीसिस) नहीं करना चाहते, बल्कि अपने प्रमुख विषय में गहन व उन्नत अध्ययन करना चाहते हैं। 12 क्रेडिट का शोध घटक, इस मार्ग में शोध प्रबंध के स्थान पर उन्नत पाठ्यक्रम से पूरा किया जाएगा। इसके माध्यम से 7.5 से कम सीजीपीए वाले छात्र भी चौथे वर्ष पूरा कर सकते हैं और 160 क्रेडिट की 4 वर्षीय स्नातक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। यूजी ऑनर्स विद रिसर्च (यूजी ऑनर्स विद रिसर्च) यह मार्ग यथावत जारी रहेगा और छात्रों को मिलाकर ग्रेजुएशन शोध का अवसर देगा। पहले छह सेमेस्टर में 7.5 या उससे अधिक सीजीपीए (75% अंक) प्राप्त करने वाले पात्र छात्र संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में 12 क्रेडिट का शोध प्रोजेक्ट/प्रबंध पूरा करेंगे। लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना उच्च शिक्षा को लचीला, समावेशी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रों की व्यक्तिगत क्षमताओं और भविष्य के लक्ष्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

चौथे वर्ष में 'यूजी ऑनर्स' और 'यूजी ऑनर्स विद रिसर्च' दोनों विकल्पों का समावेशन विद्यार्थियों को उनकी पसंद के अनुसार उन्नत विषय ज्ञान अथवा मौलिक अनुसंधान में विशेषज्ञता प्राप्त करने का समान अवसर देगा। 7.5 से कम सीजीपीए वाले विद्यार्थियों को भी चौथे वर्ष का अवसर मिलने से उनके लिए उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और वैश्विक करियर के नए द्वार खुलेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन इस नवीन व्यवस्था के विस्तृत शैक्षणिक विनियम, पात्रता मानदंड, उन्नत पाठ्यक्रम और कार्यान्वयन दिशानिर्देश उपयुक्त वैधानिक निकायों के माध्यम से शीघ्र जारी करेगा। इसके लिए एक सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति प्रो. मनुका खन्ना के नेतृत्व में गठित की गई है जो शीघ्र ही संपूर्ण संरचना और दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोनों ही मार्ग एक ही 4-वर्षीय स्नातक ढांचे के पूरक विकल्प हैं, जो कुल 160 क्रेडिट की 4-वर्षीय स्नातक डिग्री प्रदान करेंगे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय रिसर्च मार्ग के लिए सभी आवश्यक शैक्षणिक और शोध अवसंरचना की उपलब्धता भी निरंतर सुनिश्चित कर रहा है।